Prepp

Practice, Learn and Achieve Your Goal with Prepp

UGC NET Exam

Prakrit

Simplifying

Government Exams

SSC CHSL | IAS EXAM | RRB NTPC | NTSE | CDS
SSC CGL | CBSE UGC NET | IBPS PO | NDA
SBI PO | IBPS CLERK | AFCAT | SSC JE | CTET
CSIR UGC NET | CAPF | IBPS RRB

www.prepp.in

PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________
2. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________

J 9 1 1 3

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________
(In words)

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. **All** questions are compulsory.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा** (50) बहु विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. This statement is true
यह कथन सत्य है

(A) प्राकृत में संस्कृत के समान तीन वचन प्रयुक्त होते हैं ।
(B) प्राकृत में विसर्ग का प्रयोग होता है ।
(C) प्राकृत में ऐ और औ स्वरों का प्रयोग नहीं होता है ।
(D) प्राकृत में अंतिम अनुस्वार 'म्' के रूप में लिखा जाता है ।

2. The first Mahakavi of Apabhramśa language is
अपभ्रंश भाषा के प्रथम महाकवि के रूप में इनको माना जाता है

(A) कोऊहल (B) स्वयम्भू
(C) प्रवरसेन (D) वीरकवि

3. This word is used for Pūjā in Ardhamāgadhi Prakrit :
अर्धमागधी प्राकृत में पूजा शब्द का यह रूप प्रयुक्त है

(A) पूचा (B) पूजा
(C) पूगा (D) पूता

4. The word 'Ajadhā' is used in the texts of this Prakrit :
'अजधा' शब्द इस प्राकृत के ग्रन्थों में प्रयुक्त है

(A) महाराष्ट्री (B) पैशाची
(C) शौरसेनी (D) मागधी

5. The word Sārasah changes into this word in Magadhi-Prakrit !
मागधी प्राकृत में 'सारस:' के लिए यह शब्द प्रयुक्त होता है

(A) शालशे (B) सालशु
(C) सालसो (D) सारसो

6. The main characteristics of Mahārāṣtrī Prakrit are discussed in this ancient Prakrit text :
महाराष्ट्री प्राकृत की प्रमुख विशेषताएँ इस प्राचीन ग्रन्थ में वर्णित हैं

(A) हेमशब्दानुशासन
(B) प्राकृतलक्षण
(C) प्राकृतसर्वस्व
(D) प्राकृतकल्पतरु

7. The word 'Paryāya' optionally changes into the following forms in Ardhamāgadhī Prakrit
अर्धमागधी - प्राकृत में पर्याय शब्द विकल्प से निम्न रूपों में परिवर्तित होता है

(A) परियागु - पज्जायु - परिआगे
(B) पयत्थो - पलियागे - पज्जाओ
(C) पलियागो - पच्चाओ - पब्बाओ
(D) परियागो - परिआगो - पज्जायो

8. The word 'Padārtha' is used in this form in the Śauraseni texts :
शौरसेनी ग्रन्थों में पदार्थ शब्द इस रूप में प्रयुक्त मिलता है

(A) पयत्थो (B) पजत्थो
(C) पअट्ठो (D) पगट्ठो

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

9. The period of Lord Mahāvīra is
भगवान् महावीर का समय है
(A) ईस्वी पू. 400
(B) ईस्वी पू. 6ठी शताब्दी
(C) ईस्वी पू. 700
(D) ईस्वी पू. 200

10. The language of the Śvetāmbara-canon is
श्वेताम्बर आगमों की भाषा है
(A) अर्धमागधी
(B) मागधी
(C) पैशाची
(D) इनमें से कोई नहीं

11. Number of Aṅga canon is
अंग आगमों की संख्या है
(A) 10
(B) 7
(C) 12
(D) 11

12. This canon is considered to be lost
इस आगम को लुप्त माना जाता है
(A) अनुत्तरौपपातिकसूत्र
(B) कल्पसूत्र
(C) व्याख्या-प्रज्ञप्ति
(D) दृष्टिवाद

13. The earliest canonical text according to the Śvetāmbara tradition is
श्वेताम्बर-परम्परा के अनुसार सबसे प्राचीन आगम यह है
(A) कल्पावतंसिका
(B) आचारांग
(C) ज्ञाताधर्मकथा
(D) दशवैकालिक

14. This is the work of Kundkundācārya
यह आचार्य कुण्डकुण्ड की कृति है
(A) तत्त्वार्थसूत्र
(B) लब्धिसार
(C) प्रवचनसार
(D) गोम्मटसार

15. Match each author from Part-I and his work from Part-II and choose correct answer :
प्रथम भाग से प्रत्येक लेखक और द्वितीय भाग से उनके कार्यों का मिलान कीजिए और सही उत्तर का चुनाव कीजिए

प्रथम भाग	**द्वितीय भाग**
(a) पादलिप्त सूरि	(i) समराइच्चकहा
(b) संघदासगणि	(ii) आख्यानमणिकोश
(c) हरिभद्रसूरि	(iii) वसुदेवहिण्डी
(d) नेमिचन्द्रसूरि	(iv) तरंगवई

Choose correct answer :
सही उत्तर चुनिए
(A) (c) + (i)
(B) (a) + (ii)
(C) (b) + (iv)
(D) (d) + (iii)

16. The works of Haribhadrasūri are
हरिभद्रसूरि की रचनाएँ हैं
(A) धूर्ताख्यान, सुरसुन्दरीकहा, कुवलयमाला
(B) भगवती आराधना, संवाहपगरण, धम्मसंगहणी
(C) कुवलयमाला, धम्मसंगहणी, मूलाचार
(D) धम्मसंगहणी, संवाहपगरण, धूर्ताख्यान

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

17. The name of the work of Nemichandrasūri is

नेमिचन्द्रसूरि की रचना का नाम है

(A) वसुदेवहिण्डी

(B) आख्यानमणिकोश

(C) धूर्ताख्यान

(D) तरंगवती

18. The author of Nāṇapañcamīkahā is

नाणपंचमीकहा के लेखक हैं

(A) नेमिचन्द्रसूरि

(B) हेमचन्द्रसूरि

(C) महेश्वरसूरि

(D) देवभद्रसूरि

19. The work of Achārya Haribhadra related to the Satire is

आचार्य हरिभद्रकृत व्यंगप्रधान रचना का नाम है

(A) धूर्ताख्यान

(B) समराइच्चकहा

(C) सुरसुन्दरीकहा

(D) संवाहपगरण

20. Subject matter of Upadhāna-Śruta chapter is

उपधान श्रुत अध्ययन की विषयवस्तु है

(A) अपरिग्रह

(B) जैनन्याय

(C) महाव्रत

(D) उपसर्ग-परीषहविजय

21. Number of chapters in the Uvāsagadasāo is

'उवासगदसाओ' में अध्ययनों की संख्या है

(A) 10

(B) 27

(C) 9

(D) 32

22. This type of Prakrit is used in Karpūramanjari

कर्पूरमंजरी में इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है

(A) महाराष्ट्री

(B) गौड़ी

(C) शौरसेनी

(D) अर्धमागधी

23. The form of Karpūramanjari is

कर्पूरमंजरी की यह विधा है

(A) मुक्तक

(B) काव्य

(C) सट्टक

(D) प्रकरण

24. The script of Hāthigumpha inscription is

हाथीगुंफा शिलालेख की लिपि यह है

(A) द्राविडी

(B) ब्राह्मी

(C) खरोष्ठी

(D) कुटिल

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

25. The inscription of Khāravela is found at

खारवेल का शिलालेख यहाँ प्राप्त हुआ है

(A) श्रवणबेलगोल

(B) जूनागढ़

(C) ब्रह्मगिरि

(D) उदयगिरि-खण्डगिरि

26. The author of Alaṅkāradappana is

अलंकारदप्पण के लेखक हैं

(A) हेमचन्द्र

(B) नन्दिताड्ढय

(C) विरटांक

(D) अज्ञात

27. The subject matter of Prākrit Paiṅgalaṁ is

प्राकृत पैंगलं की विषयवस्तु है

(A) छन्दशास्त्र

(B) कोशविज्ञान

(C) नाट्यशास्त्र

(D) अलंकारशास्त्र

28. The 'Deśīnāmamālā' is also known as

'देशीनाममाला' इस नाम से भी जानी जाती है

(A) पाइयलच्छीनाममाला

(B) कविदर्पण

(C) प्राकृतपेंगलम्

(D) रयणावली

29. The work of 'Virahāṅka' is

'विरहांक' के ग्रन्थ का नाम है

(A) अलंकारदर्पण

(B) वृत्तजातिसमुच्चय

(C) काव्यमीमाँसा

(D) कविदर्पण

30. In place of Dative, it becomes in Prakrit

प्राकृत में चतुर्थी के स्थान पर यह होती है

(A) पंचमी

(B) तृतीया

(C) षष्ठी

(D) सप्तमी

31. Example of ya-śruti is

'य' श्रुति का उदाहरण यह है

(A) चलणं

(B) नयणं

(C) नयरं

(D) पिवति

32. In case of Sandhi 'i + a' becomes

'इ + अ' की सन्धि में निम्नलिखित रूप होता है

(A) य्य

(B) ज्ज

(C) सन्धि नहीं होती है ।

(D) य

33. The development of final consonant in Prakrit is

प्राकृत में अन्त्यव्यञ्जन का विकास इसमें होता है

(A) व्यञ्जनान्त

(B) अन्त:स्थ

(C) ओकार

(D) लोप

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

34. The development of proceeding vowel of a conjunct consonaṇṭ becomes

संयुक्त व्यञ्जन के पूर्व स्वरों का विकास इस प्रकार होता है

(A) प्लुत

(B) दीर्घ

(C) विसर्ग

(D) ह्रस्व

35. This is the example of Anaptyxis

यह स्वरभक्ति का उदाहरण है

(A) भारिआ

(B) पोम्मं

(C) लया

(D) पडिपुण्णं

36. These are the types, (भंगs) of saying in 'Syadvada'

'स्याद्वाद' के इतने भंग हैं

(A) तीन

(B) पाँच

(C) सात

(D) दस

37. 'कुं भो ण जीवदवियं जीवो वि ण होइ कुंभदवियं'

The above statement is from

उपर्युक्त कथन इस ग्रंथ से है

(A) उत्तराध्ययन

(B) सन्मतितर्कप्रकरण

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) आचारांग

38. 'मा मुज्जह मा रज्जह मा दूसह इट्ठणिट्ठ अट्ठेसु'

This statement is found in

उपर्युक्त कथन इस ग्रंथ में है

(A) णायकुमारचरिउ

(B) उत्तराध्ययन

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) सन्मति तर्कप्रकरण

39. 'उप्पाय-ठ्ठिइ-भंगा'

is the characteristic feature of

उक्त पंक्ति इसका लक्षण है

(A) द्रव्य (B) आचार

(C) स्याद्वाद (D) काव्य

40. 'Lokavija' chapter is found in this text

'लोकविजय' अध्ययन इस ग्रंथ में उपलब्ध है

(A) स्थानांगसूत्र

(B) विपाक-सूत्र

(C) आचारांग-सूत्र

(D) भगवती-सूत्र

41. The author of 'Pravacana-sāra' comes from

'प्रवचनसार' का लेखक इस स्थल से है

(A) वाराणसी

(B) पाटलिपुत्र

(C) मूडबिद्री

(D) कोंडकुंदपुर

42. Who is called Parijñāta-karma according to Acārānga

आचारांग के अनुसार 'परिज्ञात-कर्मा' कौन है ?

(A) श्रावक (B) मुनि

(C) देव (D) तिर्यंच

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

43. Anagāra is
अनगार है
(A) मुनि
(B) श्रावक
(C) राजा
(D) देव

44. There are the 'astikāyas'
'अस्तिकाय' ये हैं
(A) आस्रव, बंध, संवर, निर्जरा, मोक्ष
(B) जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, आकाश
(C) जीव, पुद्गल, पुण्य, पाप, काल
(D) जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, काल

45. The author of कुवलयमाला is
'कुवलयमाला' का लेखक है
(A) उद्योतनसूरि
(B) अभयदेव-सूरि
(C) सोमदेव-सूरि
(D) ब्रह्मदेव-सूरि

46. Read the Units I and II for the correct match.
प्रथम और द्वितीय इकाइयों को सही मिलान के लिए पढ़िये

I		II	
(a)	कुंदकुंद	(i)	कर्पूरमंजरी
(b)	राजशेखर	(ii)	सेतुबंध
(c)	प्रवरसेन	(iii)	द्रव्यसंग्रह
(d)	नेमिचंद्र	(iv)	प्रवचनसार

Identify the correct match :
सही मिलान की पहचान कीजिए :
(A) (a) + (iv)
(B) (c) + (iii)
(C) (b) + (ii)
(D) (d) + (i)

47. 'Mṛcchkatikaṁ' is authored by
'मृच्छकटिकम्' - नाटक का लेखक है
(A) कालिदास
(B) भास
(C) शूद्रक
(D) हस्तिमल्ल

48. Major poet of Apapbhramsha literature is
अपभ्रंश-साहित्य का प्रमुख महाकवि है
(A) पुष्पदंत
(B) पूज्यवाद
(C) प्रवरसेन
(D) शिवार्य

49. 'Daśavaikālika Sūtra' is composed by
'दशवैकालिकसूत्र' के प्रणेता हैं
(A) देवेंद्र-गणि
(B) शय्यंभव
(C) कुंदकुंद
(D) बट्टकेर

50. Name of the third chapter of सन्मतितर्क प्रकरण is
सन्मतितर्क प्रकरण में तृतीय कंडिका का नाम है
(A) जीवकंडयं
(B) अणेगंतकंडयं
(C) णयकंडयं
(D) अजीवकंडयं

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

prepp

Latest Sarkari jobs, Govt Exam alerts, Results and Vacancies

- Latest News and Notification
- Exam Paper Analysis
- Topic-wise weightage
- Previous Year Papers with Answer Key
- Preparation Strategy & Subject-wise Books

To know more **Click Here**

www.prepp.in